

असाधारण EXTRAORDINARY

भाष II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

q. 647)

नई विस्सी, ब्धवार, सितम्बर 30, 1992/आरियन 8, 1914

No. 647) NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 30, 1992/ASVINA 8, 1914

इ.स. भाग में भिम्त पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकासन के इन्हें में रखा का सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्तं मन्नासय

(राजस्य विभाग)

केरद्रीय प्रस्थक्षकर बोर्ड

भ्रधिसूचना

मई दिल्ली, 30 सिनम्बर, 1992

(ग्राय-कर)

का.मा. 729(म्र).--केश्रीय प्रत्य तकर क्षोर्ड, भाय-कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 115ट द्वारा और घारा 295 द्वारा परत प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए, भाय-कर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्निशिखित नियम बनाता है, भर्यात् :--

- 1. (1) इन नियमो का संक्षिप्त नाभ श्राय-कर (श्राठारहता संगोधन) नियम, 1992 है।
 - (2) ये राजपक्ष में प्रकाशन की नारीख की प्रवृत्त होंगे।
- 2. धाम-कर नियम 1962, के भाग 2 के उपभाग इंड में नियम 11 इन्हें उप नियम (1) के स्थान पर निम्नलिश्चित उप-नियम रखा जाएगा, धविन:---
- "(1) धारा 115-ट के उपबक्षों के मधीन देने के लिए श्रपधिन विवरण जो व्यक्तियों और उस हिंदू प्रविभक्त कुटुम्ब के लिए जिसमें कोई सवस्य ऐसा महीं है जिसकी 1 प्रप्रैत, 1993 को प्रारंभ होने वाले निर्धारण वर्ष से मुनंगन पूर्व वर्ष के दौरान किसी भी समय सकल आय 28000 रुपयों से प्रधिक है प्रकृप 4क में होगा और उस हिंदू प्रविभक्त कुटुम्ब के लिए जिसका कम से कम एक सबस्य ऐसा है जिसकी उक्त निर्धारण वर्ष से मुनंगत पूर्व वर्ष के दौरान किभी भी समय सकल आय 28000 रायों से प्रधिक है प्रकृप 4ख में होगा और उसमें उपवर्शित रीति से संख्यापित किया जाएगा।"

3.	माय-कर नियम, 1962 के परिशिष्ट 2 में प्रक्रप 4क के पश्चात् तिम्नलिदिल प्ररूप मन्त-स्थापित किया जाएगा, भर्पात् प्ररूप सं. 4ख
जो ऐस	भरूप स. युख इ र ग्राधिनियम, 1961 का भ्रष्माय 12-ग और ग्रायकर नियमों का नियम 11 रूट देखिए) सरलीकृत प्रक्रिया के भ्रन्तर्गत विवरण नए करवाताओं के लिए <mark>1 हिंदू भविभक्त कुदुम्ब हो जिसमें</mark> कम से कम एक सदस्य ऐसा है जिसकी निर्धारण वर्ष 1993-94 से मुसंगत पूर्व वर्ष के दौरान संकल श्राय 28,000 से मधिक है ।
	शीर्ष: 0021 मायकर भ्ररलीकृत प्रक्रिया
1.	नाम स्पष्ट धक्तरों में
2.	वित्तीय वर्षे
-	1 9 9 2 1 9 9 3
3.	निवासीय पता
-	
4.	कारेबार का पता ।
_	कारबार या व्यवसाय की प्रकृति ^क
5.	कारवार मा न्यम्साय का न्यम्साय खुदरा भ्यापार [] भोजन स्थल []सिलाई [] केश कर्तन []
	ढंकण □ कोटो प्रतिलिपिकरण □ मरम्मत कार्य □ कपका धावन □
	भ्रम्य कोई व्यवसाय विनिधिष्ट करें।
6.	कारबार या व्यवसाय से मानी गई माय 3 5 0 0 उ
7.	मामा गया भावतं (केवल खुदरा व्यापारियों को लागू)
8.	कर के लिए प्रभार्य कारवार या व्यवसाय से मिश्र ग्रन्य स्रोतों से ग्राय (5000 र. से ग्रनिधक)
9.	धारा 80ठ के मधीन कटौतियां लामांक, बैंक निक्षेपों पर ब्याज, मन्य विनिर्विष्ट निक्षेपों द. और प्रतिभृतियों पर ब्याज (5000 द. से भनिधिक)
10.	कारबार या व्यवसाय से मिक्स कोतों से गुद्ध भाय (8 में से 9 वटाइए)
11.	संदेय कर 5100 इ. + धन (10) पर की रक्तम का 30 प्रतिग्रास में चोषणा करता हूं कि मद 5 में वर्णित कारबार या व्यवसाय से बित्तीय वर्ष के बीराम हिंदू धविमक्त कुटुम्ब की श्राय पैतीस हजार रुपयों से अधिक नहीं है और ऊपरवर्णित कारबार या व्यवसाय से भिन्न सोनों से उकत हिंदू श्रविभक्त कुटुम्ब की श्राय 5000 ए. से श्रधिक नहीं है।
व्यापारि	ैंमैं यह भी घोषणा करता हूं कि उनते हिंदू घविभनत कुट्स्य की खुदरा व्यापार के कारबार से माधर्त पांच लाख रुपए से ग्राधिक नहीं है (केवल खुदरा रेयों को लागू)
	सस्यापन
	· —————————हिंदू भविभक्त कुटुम्ब- —————का कर्ता/सदस्य ^{भभ} भोषणा करता हूं कि ऊपर जो कुछ कहा गया है वह वॉक्सम ज्ञान और विश्वास से सही है।
	मैं यह भी घोषणा करता हूं कि 1 अप्रैल, 1992 को या इसके पहले झारम्म होने वाले निर्धारण वर्ष के लिए झायकर के लिए उक्त हिंदू मिश्रभक्त का निर्धारण नहीं हुमा है।
3%'न तारीख	
वारा व स्थाम	भरवा ना के ह स्ताक्षर
टिप्पन :	: [*] जो लागू हो उस पर निशान लगाएं।
1	1. **जी लागू महो उसे काठ वें।

	<u> </u>
नकव/चैक/ब्रापट सं.─────तारीख	प्राप्त कर्ता बैंक के प्रयोग के लिए
बारा (शब्दो में)	भुगतान प्राप्त किया स्कील मे कम सख्याक
(अंकों में)	चैक/ड़ाफ्ट पेण व.रने की तारीख
(बैंक का नाम)की धाखा में दिया गया ।	रॉकडिया के हस्ताक्षर
संदाय करने वाले व्यक्ति के हस्ताक्षर	बैक की मोहर'

[सं. 9106/फा. सं. 142/18/92-दीपीएल]

के. एम. सुलतान, निरोणक (टीपीएल)

टिप्पण :--मूल भियम अर्थीत् आय-कर नियम, 1962, समय-समय पर यथा संशोधित आ०आ० 969 दिनाक 26-3-1932 के अनर्गत बनाया गया था।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th September, 1992

(INCOME-TAX)

- S.O. 729(E).—In exercise of the powers conferred by section 115K and by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rule further to amount the Income-tax Rules, 1962, namely:—
 - 1. (1) These rules may be called the Income-tax (Eighteenth Amendment) Rules, 1992.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In Part II of the Income-tax Rules, 1962, in sub-part EE, in rule 11EE, for sub-rule (1) for the following sub-rule shall be substituted, namely:—
 - "(1) The statement which is required to be furnished under the provisions of section 115K shall be in Form 4 A for individuals an Hindu undivided families not having any member whose total income at any time during the previous year relevant to the assessment year commencing on the 1st day of April, 1993 exceeds Rs. 28,000 and in Form 4B for Hindu undivided families having at least one member whose total income at any time during the previous year relevant to the said assessment year exceeds Rs. 28,000 and shall be verified in the manner indicated therein."
 - 3. Appendix II of the Income-tax Rules, 1962, after Form 4A, the following form shall be inserted, namely:

"FORM NO. 4B

[See Chapter XII-C of the Income-tax Act, 196! and rule 11EE of the Income-tax Rules]

Statement under the simplified procedure for new taxpayer being a Hindu undivided family which has at least one member whose total income during the previous year relevant to assessment year 1993-94 exceeds Rs. 28,000

HEAD: 0021 INCOME TAX - SIMPLIFIED PROCEDURE

1.	NAME II	N BLC	CK L	ETTE:			1110	CME	1 / S//L -	DIMIT I	-11,117) INO	CEDU.	KE					
			I	1	<u> </u>				7						Τ			Ţ	
2. 1	FINANCI	AL YI	EAR		1 9	9 9	2	1 9	9 3	-									
3.	RESIDEN	TIAL	ADDI	RESS															
							1					i				 1	I	l	1
		}	-	- ,		_,-		-	-1-		1		ţ,			 <u> </u>	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	Ţ	 -

4 THE GAZETTE OF INDIA : EXTRAORDINARY	PART II—SEC. 3(ii)
4. BUSINESS ADDRESS	
5. NATURE OF BUSINESS OR VOCATION* RETAIL TRADE EATING PLACE TATLORING HAIR CUTTING	
TYPING PHOTOCOPYING REPAIR WORK WASHING CLOTHES	
ANY OTHER VOCATION—SPECIFY:	
6. DEEMED INCOME FROM BUSINESS OR VOCATION	Rs. 3 0 0 0
7. DEEMED TURNOVER (APPLICATION ONLY TO RETAIL TRADERS)	Rs. 5 0 0 0 0 0
8. INCOME FROM SOURCES OTHER THAN BUSINESS OR VOCATION CHARGEABLE TO TAX (NOT EXCEEDING RS. 5,000)	Rs.
9. DEDUCTION UNDER SECTION 80L in respect of income from dividend, interest on bank deposit, interest on other special deposit and securities. [NOT EXCLEDING Rs. 5]	Rs.
10. NET INCOME FROM SOURCES OTHER THAN BUSINESS OR VOCATION [8 MINUS 9]	Rs.
11. 1AX PAYABLL [Rs. 5,100+30% OF AMOUNT AT (10)]	Rs.
I, hereby declare that the income of the Hindu undivided family during the financial year from the bus item 5 does not exceed thirty-five thousand rupees and the said. Hindu undivided family does not have from sources other than business or vocation mentioned above.	iness or vocation mentioned at any income exceeding Rs. 5,000
I, further declare that the turnover from the business of retail trade of the said Hindu undivided family [Applicable only to retail traders]	does not exceed five lakh rupees.
Verification I,	, hereby declare that
I, further declare that the said Hindu undivided family has not been assessed to income-tax for any assessed 1st April, 1992.	sessment year commencing on or
Date Place	
110	nature of the Karta/member**

Note: __*Tick the one which is applicable.

** Delete the one which is not applicable,

Paid in cash/by cheque/draft No	dated	FOR USE IN THE RECEIVING BANK
Rupees	Rs	RECEIVED PAYMENT
(in words)	(in figures)	Serial No. in Scroll
intoBran	ch of[Name of the bank]	Cheque/draft tendered on
		Signature of cashler
Signature of the person making the payment	:	STAMP OF THE BANK"

[No. 9106/F. No. 142/18/92-TPL]

K.M. SULTAN, Director (TPL)

NOTE: -The principal rule viz. Income-tax Rules, 1962, as amended from time to time was made vide S.O. 969 dated 26-3-1962.